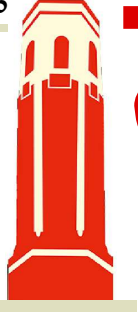


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 252
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एसआईआर का असर: 1,04,708 वोट बाहर

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य में 1 जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान संपादित किया गया। उत्तराखण्ड में इस 8 जून 2026 से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत हुई जिसके बाद 14 जुलाई 2026 को प्रदेश में ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। दावे आपत्तियों के निस्तारण के बाद

- ◆ नए मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए चलेगा विशेष अभियान
- ◆ 8 जून से उत्तराखण्ड में हुई थी एसआईआर की शुरुआत
- ◆ 14 जुलाई को किया गया था ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन

शनिवार, 03 अक्टूबर 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है।

प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू होने के दिन दिनांक 8 जून 2026 को प्रदेश में 7960762 मतदाता शामिल थे। गणना फार्म वितरण एवं संकलन के बाद प्रदेश में 14 जुलाई 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया जिसमें 7133785 मतदाता मतदाता सूची में शामिल हुए।

आयोग द्वारा निर्धारित तिथि के अनुसार 14 जुलाई 2026 से 13 अगस्त 2026 तक मतदाताओं को दावे एवं आपत्ति दर्ज कराने का समय दिया



ग य ।

इसी क्रम में 13 अगस्त 2026 से 28 सितंबर 2026 तक प्रदेश में दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया गया। दावे

आपत्तियों के निस्तारण के बाद शनिवार, 03 अक्टूबर 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया जिसमें 7158949 मतदाता सूची में शामिल हैं। वर्तमान में प्रदेश में कुल मतदेय स्थलों की संख्या 12543 है। अंतिम मतदाता सूची में शामिल 7158949 मतदाताओं में (3421036 महिला, 3737701 पुरुष, 212 थर्ड जेंडर मतदाता) शामिल हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 18-19 आयुवर्ग में 72656 मतदाता, एवं 80 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के 122892 मतदाता शामिल हैं।

प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दावे आपत्तियों के निस्तारण के बाद मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में कुल 129872 नए मतदाता

शामिल किए गए हैं जबकि 104708 मतदाताओं को नियमानुसार सूची से विलोपित किया गया है।

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट www.voter.eci.gov.in एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट www.ceo.uk.gov.in पर ऑनलाइन विजिट कर देखी जा सकती है। इसके साथ ही डीईओ / ईआरओ कार्यालय एवं बीएलओ से भी सूची प्राप्त की जा सकती है। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद ऐसे व्यक्ति जो किन्ही कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके हैं वे सभी फार्म 6 भरकर ईसीआई नेट ऐप के माध्यम से ऑनलाइन एवं अपने बीएलओ के माध्यम से ऑफलाइन मोड में भी आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए स्पेशल

कैंप लगाए जाएंगे और बीएलओ को घर-घर जाकर जानकारी लेने का निर्देश दिया गया है।

बीएलओ वर्तमान मतदाता सूची का प्री-एसआईआर से पहले की सूची से मिलान करेंगे। वे ऐसे वोटर्स की पहचान करेंगे जिनके नाम एसआईआर से पहले की सूची में शामिल थे, लेकिन मौजूदा सूची में नहीं हैं, और ऐसे वोटर्स की एक लिस्ट तैयार करेंगे।

बीएलओ चिन्हित मतदाताओं के घर-घर जाकर उनकी मौजूदा स्थिति का पता लगाएंगे और जो लोग योग्य पाए जाएंगे, उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए फॉर्म 6 भरवाने में मदद करेंगे। बीएलओ घर-घर जाने के दौरान यह भी सुनिश्चित करेंगे कि जो मतदाता छूट गए हैं, पहली बार मतदान देने वाले हैं या युवा मतदाता हैं, उनके लिए फॉर्म 6 भरा जाए। बीएलओ इस सूची को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स के साथ साझा करेंगे। इस प्रक्रिया के आखिर चरण में ईआरओ बूथवार सूची को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ भी साझा करेंगे, ताकि उन्हें छूटे हुए मतदाताओं का नाम सूची में शामिल करवाने का एक और अवसर मिल सके।

इसके साथ ही, मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने हेतु आवेदन जमा करने में आसानी हो इसके लिए बूथ लेवल कैंप भी लगाए जाएंगे। नाइट शैल्टर, लेबर कॉलोनी में रहने वाले लोगों के साथ-साथ बेघर और हाशिए पर रहने वाले लोगों के नाम सूची में शामिल करने के लिए विशेष कैंप भी लगाए जाएंगे।

सड़क हादसे में नेशनल बास्केटबॉल खिलाड़ी की मौत, पत्नी गम्भीर 4 माह पहले हुई थी शादी, आ रहे थे उत्तराखण्ड घूमने

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामनगर में नेशनल हाईवे 309 पर देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी यतीश यादव (24) की मौत हो गई। उनकी पत्नी डॉ. शीतल यादव गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा रामनगर के पीरूमदारा क्षेत्र में रात करीब 1:20 से 1:45 बजे के बीच हुआ। दोनों की शादी महज चार महीने पहले हुई थी और वे काशीपुर-रामनगर होते हुए नैनीताल घूमने जा रहे थे।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के शाहपुर बमेठा, थाना वेब सिटी निवासी यतीश यादव अपनी पत्नी शीतल के साथ आधी रात बाद 2 अक्टूबर को



स्कॉर्पियो से नैनीताल जा रहे थे। पीरूमदारा के पास सामने से आ रहे उपखनिज से लदे 22 टायरा डंपर से

उनकी स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर हो गई। यतीश के पिता सुरेश यादव ने आरोप लगाया कि डंपर चालक ओवरटेक

करने के प्रयास में गलत दिशा में आ गया था और तेज रफ्तार में सामने से स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में यतीश और उनकी पत्नी वाहन के नीचे दब गए। सूचना मिलते ही रामनगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

राहगीरों की मदद से पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाला और तत्काल रामनगर संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सकों ने यतीश को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर हालत में डॉ. शीतल को प्राथमिक उपचार के बाद

दिल्ली-एनसीआर के हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। यतीश राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी होने के साथ ही एक निजी स्कूल में शिक्षक भी थे। उनकी पत्नी डॉ. शीतल यादव पेशे से डॉक्टर हैं। दोनों की शादी करीब चार महीने पहले ही हुई थी। गुरुवार देर रात दोनों स्कॉर्पियो से नैनीताल घूमने के लिए निकले थे, लेकिन पीरूमदारा में हुए हादसे ने उनकी यात्रा को मातम में बदल दिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद यतीश के परिजन रामनगर अस्पताल पहुंचे। पिता सुरेश यादव ने डंपर चालक की लापरवाही को हादसे की वजह बताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दून वैली मेल

संपादकीय

भारत की बेटियां बनीं चौंपियन

भारतीय खेल इतिहास में कुछ जीतें सिर्फ ट्राफी नहीं लातीं, वह उम्मीद का नया अध्याय लिखती हैं। भारतीय महिला हाकी की यह कामयाबी भी ऐसी ही है। 44 साल का लंबा इंतजार खत्म कर भारत की बेटियों ने चौंपियन बनकर यह साबित किया है कि मैदान पर जीत केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन, संघर्ष और लगातार विश्वास से हासिल होती है। महिला हाकी की यह सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि लंबे समय तक भारतीय खेल व्यवस्था में महिलाओं को पुरुष खिलाड़ियों के मुकाबले अपेक्षित संसाधन, सुविधाएं और पहचान नहीं मिल पाई। मैदान पर पसीना बहाने वाली अनेक बेटियां ऐसे दौर से गुजरी हैं, जब खेल को करियर बनाने का सपना भी आसान नहीं था। परिवार की आर्थिक सीमाएं, सुविधाओं का अभाव और सामाजिक सोच की बंदिशें उनके सामने अलग चुनौती थीं। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद उन्होंने हाकी स्टिक थामी और मैदान पर अपनी जगह बनाई। यह जीत उन तमाम खिलाड़ियों के संघर्ष का सम्मान है, जिन्होंने भारतीय महिला हाकी को यहां तक पहुंचाने में अपना जीवन लगाया। आज की चौंपियन टीम के पीछे उन खिलाड़ियों की भी कहानी है, जिनके हिस्से में शायद ट्राफियां कम आईं, लेकिन जिन्होंने आने वाली पीढ़ी के लिए रास्ता तैयार किया। इस सफलता का सबसे बड़ा संदेश यही है कि बेटियों पर भरोसा किया जाए तो वह इतिहास बदल सकती हैं। खेल में सफलता का अर्थ केवल पदक जीतना नहीं होता। एक बड़ी जीत समाज की सोच भी बदलती है। जब किसी छोटे शहर, गांव या पहाड़ी इलाके की लड़की टीवी स्क्रीन पर भारतीय जर्सी में खेलती हुई देश का प्रतिनिधित्व करती है तो उसके साथ हजारों दूसरी लड़कियों का सपना भी मैदान में उतरता है। उन्हें यह भरोसा मिलता है कि खेल केवल बड़े शहरों और संपन्न परिवारों की चीज नहीं है। लेकिन इस जीत के जश्न के बीच कुछ सवाल भी पूछे जाने चाहिए। क्या हमारी खेल व्यवस्था उन प्रतिभाओं को खोजने के लिए गांव-गांव तक पहुंच रही है? क्या सरकारी स्कूलों में खेल मैदान और प्रशिक्षक पर्याप्त हैं? क्या खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण सुविधाएं मिल रही हैं? क्या चोट लगने पर उनके इलाज और पुनर्वास की पर्याप्त व्यवस्था है? और सबसे महत्वपूर्ण कि क्या चौंपियन बनने के बाद भी इन खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित है? अक्सर भारतीय खेल संस्कृति में सफलता के बाद खिलाड़ियों पर पुरस्कारों की बारिश होती है और कुछ समय बाद वही खिलाड़ी सुर्खियों से गायब हो जाते हैं। यह परंपरा बदलनी होगी। चौंपियन बनाने वाली व्यवस्था चाहिए, केवल चौंपियन बनने के बाद सम्मान देने वाली व्यवस्था नहीं। महिला हाकी की इस जीत को इसलिए भी एक अवसर की तरह देखना चाहिए कि देश में जमीनी स्तर पर महिला खेलों को नई ताकत दी जाए। स्कूलों में हाकी को बढ़ावा मिले, स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षकों की नियुक्ति हो, ग्रामीण प्रतिभाओं की पहचान हो और खिलाड़ियों को बेहतर खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाए। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में तो प्राकृतिक परिस्थितियां और खेल प्रतिभा दोनों मौजूद हैं, जरूरत केवल व्यवस्थित अवसर देने की है। 44 साल का सूखा खत्म होना इतिहास है, लेकिन असली लक्ष्य इससे आगे है। यह जीत भारतीय महिला हाकी के लिए मंजिल नहीं, एक नई शुरुआत होनी चाहिए। अब सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अगली बड़ी जीत कब मिलेगी। सवाल यह होना चाहिए कि भारतीय महिला हाकी को ऐसी व्यवस्था कब मिलेगी, जिसमें बड़ी जीत किसी चमत्कार का परिणाम नहीं बल्कि मजबूत खेल नीति का स्वाभाविक परिणाम हो। भारत की बेटियों ने मैदान जीत लिया है। अब बारी व्यवस्था की है कि उन्हें वह देश देने की, जहां किसी बेटे को खिलाड़ी बनने के लिए संघर्ष कम और अवसर ज्यादा मिलें। 44 साल का इंतजार खत्म हुआ है। उम्मीद है, अब भारतीय महिला हाकी को इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

इलेक्ट्रिक बस की चपेट में आकर एक घायल

संवाददाता

देहरादून। इलेक्ट्रिक बस की चपेट में आकर एक घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नन्दा की चौकी निवासी रोहित ने प्रेमनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई राज पंजाब नेशनल बैंक के सामने से सड़क पार कर रहा था तभी तेज गति से आ रही इलेक्ट्रिक बस ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसका भाई गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर में घुसकर मारपीट करने पर आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मयूर विहार निवासी राहुल धनिक ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले हिमांशु कुमार, योगेश घाघट, मनवीर नेगी, सुशांत थापा, राहुल व मोनू सरदार अपने साथियों के साथ उसके घर में आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट कर उसको गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जब आसपास के लोग वहां पर आये तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में फर्जी दस्तावेजों का मामला अब किसी एक भर्ती, किसी एक विभाग या किसी एक प्रमाणपत्र तक सीमित नहीं रह गया है। शिक्षक भर्ती से लेकर मेडिकल प्रवेश तक सामने आए मामलों ने सरकारी दस्तावेज सत्यापन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे पहले शिक्षा विभाग का आंकड़ा देखिए। वर्ष 2024 में नियुक्त किए गए 2316 बेसिक शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच के आदेश इसलिए हुए क्योंकि बड़ी संख्या में प्रमाणपत्रों को लेकर सवाल उठे थे। इनमें स्थायी निवास प्रमाणपत्र से जुड़ी गड़बड़ियों के मामले भी सामने आए। यानी सवाल किसी एक संदिग्ध प्रमाणपत्र का नहीं था। सवाल यह था कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने और अभ्यर्थियों के शिक्षक बन जाने के बाद दस्तावेजों की व्यापक जांच की जरूरत क्यों पड़ी? इसके बाद मामला और आगे बढ़ा। उत्तर प्रदेश से डीएलएड कर उत्तराखंड में प्राथमिक शिक्षक बने 152 शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की जांच शुरू हुई। यह शिक्षक 11 जिलों से जुड़े बताए गए। यहां सबसे बड़ा सवाल है कि यदि दस्तावेजों में पात्रता से जुड़ी शर्तें पूरी नहीं हो रही थीं तो नियुक्ति से पहले उनका सत्यापन किस स्तर पर हुआ?

फर्जी दस्तावेजों की सबसे चौंकाने वाली तस्वीर नीट-यूजी काउंसिलिंग में सामने आई। सितंबर के आखिर तक उत्तराखंड में फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर 19 एमबीबीएस सीटें रद्द की जा चुकी थीं। अलग-अलग मामलों में एससी, ओबीसी और स्वतंत्रता सेनानी आश्रित श्रेणी

से जुड़े प्रमाणपत्रों पर सवाल उठे। यह मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यहां फर्जी दस्तावेज का असर सीधे मेडिकल सीटों के आवंटन पर पड़ा, जिस सीट पर किसी पात्र अभ्यर्थी का अधिकार हो सकता था, वहां दस्तावेजों की सत्यता पर सवाल खड़ा हुआ। जांच में तो एक ऐसा मामला भी सामने आया, जिसमें एक ही पीपीओ

◆नौकरी से मेडिकल दाखिले तक सवालों में है सत्यापन व्यवस्था
◆उत्तराखंड में शिक्षक भर्ती से एमबीबीएस तक दस्तावेजों का खेल
◆19 एमबीबीएस सीटें रद्द, सवाल सिर्फ फर्जीवाड़ा करने वालों पर

नंबर का इस्तेमाल चार अभ्यर्थियों के लिए किए जाने की बात सामने आई। अब सवाल सिर्फ यह नहीं कि प्रमाणपत्र किसने बनाया। सवाल यह भी है कि एक ही रिकार्ड चार अलग-अलग दावेदारों के दस्तावेजों में कैसे पहुंच गया?

मामला यहीं नहीं रुका। दो अक्टूबर को सामने आई रिपोर्ट में एक ही प्रमाणपत्र संख्या के दो अलग-अलग नामों से जुड़े होने का मामला सामने आया। यानी डिजिटल रिकार्ड, प्रमाणपत्र संख्या और विभागीय सत्यापन की पूरी व्यवस्था के सामने एक बुनियादी सवाल खड़ा हो गया—क्या अलग-अलग विभागों के पास मौजूद रिकार्ड आपस में वास्तविक समय में जुड़े हुए हैं? उत्तराखंड सरकार की अपनी आनलाइन व्यवस्था में प्रमाणपत्र सत्यापन की सुविधा उपलब्ध है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के नियम भी स्पष्ट करते हैं कि गलत सूचना या दस्तावेज सामने आने पर प्रवेश

निरस्त किया जा सकता है और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इसके बावजूद यदि किसी अभ्यर्थी का फर्जी या संदिग्ध प्रमाणपत्र दाखिले अथवा नियुक्ति के स्तर तक पहुंच जाता है तो समस्या केवल अभ्यर्थी की नहीं रह जाती। यह सत्यापन तंत्र की कार्यप्रणाली का प्रश्न बन जाती है।

मेडिकल प्रवेश फर्जीवाड़े की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि स्वतंत्रता सेनानी आश्रित प्रमाणपत्र प्रकरण की जांच के लिए एसआईटी गठित करनी पड़ी। जांच आगे बढ़ी तो राजस्व विभाग के लेखपालों की भूमिका को लेकर भी सवाल सामने आए और पुराने मामलों की शिकायतें भी जांच के दायरे में आने लगीं। इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक अधिकारी या कर्मचारी इस मामले में दोषी है। लेकिन यह जरूर पूछना होगा कि प्रमाणपत्र जारी करने, सत्यापित करने और उसके आधार पर लाभ देने की पूरी श्रृंखला में जिम्मेदारी किसकी है?

आंकड़े अपने आप में यह साबित नहीं करते कि उत्तराखंड देश में फर्जी दस्तावेजों के मामलों में नंबर एक है। ऐसा दावा करने के लिए सभी राज्यों के समान आधार पर राष्ट्रीय आंकड़े जरूरी हैं। लेकिन यह आंकड़े एक बात जरूर साबित करते हैं कि राज्य में दस्तावेज सत्यापन की व्यवस्था पर गंभीर और सार्वजनिक जवाबदेही का सवाल खड़ा हो चुका है। अब सरकार से पांच सीधे सवाल है। नियुक्ति और दाखिले से पहले दस्तावेजों का पूर्ण डिजिटल सत्यापन क्यों नहीं? जिन प्रमाणपत्रों पर बाद में

►► शेष पृष्ठ 7 पर

भाजपा का लक्ष्य, कांग्रेस की चुनौती और अन्य दलों का गणित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 का चुनावी गणित अब एब्सोल्यूट मेजोरिटी यानी सरकार बनाने के लिए जरूरी 36 सीटों से आगे निकल चुका है। भाजपा ने सार्वजनिक रूप से 60 से अधिक सीटों का लक्ष्य रखा है। भाजपा की बैठक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी राम माधव ने कार्यकर्ताओं से साधारण बहुमत के बजाय पार्टी की हाईएस्ट मेजोरिटी 60 प्लस के लक्ष्य के साथ काम करने को कहा।

यही वह बिंदु है जहां 2027 का चुनाव केवल सत्ता और विपक्ष के बीच मुकाबला नहीं रह जाता। 70 सदस्यीय विधानसभा में 60 का आंकड़ा हासिल करना मतलब विपक्ष के लिए बेहद सीमित राजनीतिक स्पेस छोड़ना। लिहाजा भाजपा के इस लक्ष्य का राजनीतिक जवाब कांग्रेस की रणनीति में भी दिखाई दे रहा है कि पार्टी केवल सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि अधिकतम सीटों पर मजबूत दावेदारी बनाने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस ने टिकट चयन में जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देने की रणनीति सार्वजनिक की है।

भाजपा के लिए 2027 इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिश में है। पार्टी ने संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने, सरकार के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड जनता तक ले जाने और चुनावी तैयारी

को राजनीतिक लामबंदी में बदलने पर जोर दिया है। 60 पार का लक्ष्य केवल संख्या नहीं है। यह संगठन के भीतर कार्यकर्ताओं को एक बड़ा चुनावी लक्ष्य देने की रणनीति भी है। भाजपा का संदेश साफ है कि मुकाबला कुछ सीटों पर बढ़त लेने का नहीं, बल्कि प्रदेश के लगभग हर हिस्से में व्यापक जीत की कोशिश का है। लेकिन यही लक्ष्य भाजपा के सामने चुनौती भी खड़ी करता है। 60 सीटें जीतने के लिए

◆70 सीटों वाले उत्तराखंड में अब मुकाबला महज सरकार बनाने के बहुमत का नहीं रहा
◆भाजपा ने 60 प्लस का लक्ष्य रखा, कांग्रेस भी अधिकतम सीटों की लड़ाई की तैयारी में
◆क्षेत्रीय और अन्य दल वोटों के बिखराव से बदल सकते हैं कई सीटों के समीकरण

70 में से केवल 10 सीटें विपक्ष के लिए बचती हैं। इसका अर्थ है कि भाजपा को पहाड़, मैदान, कुमाऊं और गढ़वाल। हर क्षेत्र में बहुत व्यापक जीत दर्ज करनी होगी। कांग्रेस के लिए तस्वीर दूसरी है। विधानसभा में उसके पास वर्तमान में 20 सीटें हैं, जबकि भाजपा के पास 47 सीटें हैं। पार्टी की रणनीति में वरिष्ठ नेताओं को चुनावी जिम्मेदारियां देने के साथ-साथ संभावित उम्मीदवारों की जीतने की क्षमता

को महत्व देने की बात सामने आई है। इसका संकेत है कि कांग्रेस इस बार टिकट वितरण को केवल वरिष्ठता या पारंपरिक दावेदारी के आधार पर नहीं छोड़ना चाहती। कांग्रेस के सामने गणित कठिन है, लेकिन राजनीति केवल संख्या से नहीं चलती। 2022 में भी कई सीटों पर मुकाबले करीबी रहे थे। उपलब्ध चुनावी विश्लेषण के अनुसार 23 सीटों पर जीत का अंतर पांच हजार मतों से कम था। यही करीबी सीटें 2027 में दोनों प्रमुख दलों की रणनीति का केंद्र बन सकती हैं।

यहीं से उत्तराखंड के छोटे दलों और क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उत्तराखंड क्रांति दल समेत अन्य दल यदि अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में प्रभावी उम्मीदवार उतारते हैं तो उनका वास्तविक प्रभाव सीट जीतने से ज्यादा वोटों के बंटवारे में दिखाई दे सकता है। किसी सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच अंतर कुछ हजार मतों का हो और तीसरे उम्मीदवार को उससे अधिक मत मिल जाएं, तो पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। इसलिए बड़े दलों के लिए छोटे दलों की चुनौती को केवल सीटों की संख्या से मापना पर्याप्त नहीं होगा।

2027 में दलबदल भी इसी गणित का हिस्सा है। अगस्त 2026 की एक राजनीतिक रिपोर्ट में करीब 20 सीटों के समीकरणों पर दलबदल के असर का उल्लेख किया

►► शेष पृष्ठ 7 पर

जिला अस्पताल को दो वर्ष से स्थायी रेडियोलॉजिस्ट का इंतजार

नई टिहरी(आरएनएस)। जिला अस्पताल बौराड़ी को दो वर्ष बाद भी स्थायी रेडियोलॉजिस्ट नहीं मिल पाया है जिससे मरीजों की दिक्कतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अल्ट्रासाउंड की नियमित सुविधा उपलब्ध नहीं होने से गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। वर्ष 2०19 में जिला अस्पताल बौराड़ी को पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप (पीपीपी) मोड पर संचालित करने के लिए हिमालयन अस्पताल जौलीग्रॉंट देहरादून को दिया। जून 2०24 में जिला अस्पताल को सरकार ने पीपीपी मोड से वापस ले लिया गया। तब से अस्पताल को स्थायी रेडियोलॉजिस्ट नहीं मिल पाया है। वर्तमान समय में उप जिला चिकित्सालय नरेंद्रनगर में कार्यरत रेडियोलॉजिस्ट सप्ताह में तीन जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सेवाएं देते हैं। इसके अलावा महीने में दो दिन उन्हें सीएचसी बेलेश्वर में सेवाएं देनी पड़ती है। एक ही रेडियोलॉजिस्ट के भरोसे जिले के तीन अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड सुविधाएं संचालित की जा रही है। अस्पताल में सप्ताह में मात्र तीन दिन अल्ट्रासाउंड के लिए निर्धारित किए जाने से गर्भवतियों और मरीजों की संख्या भी बढ़ जाती है। अल्ट्रासाउंड करने के लिए मरीजों को एक सप्ताह पूर्व ही रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है जिसके बाद जांच के लिए निर्धारित तिथि को अस्पताल पहुंचना पड़ता है। किन्हीं कारण की वजह से रेडियोलॉजिस्ट के न या आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को नरेंद्रनगर, ऋषिकेश और देहरादून जाने को मजबूर होना पड़ता है।

पुल पर भूस्खलन का खतरा बढ़ा

उत्तरकाशी(आरएनएस)। मोरी प्रखंड के कोटगांव-सिदरी-सांकरी मोटर मार्ग पर स्थित पुल के आसपास पिछले करीब तीन वर्षों से लगातार हो रहे भूस्खलन और भू-धंसाव ने पुल की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्रवासियों ने विभाग से तत्काल तकनीकी निरीक्षण करारकर स्थायी सुरक्षा व उपचारात्मक कार्य शुरू कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि एक माह के भीतर काम शुरू नहीं हुआ तो जनहित में लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि पुल के आसपास लगातार भू-धंसाव होने से जमीन कमजोर हो रही है। समय रहते सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में पुल की एप्रोच और सड़क को नुकसान पहुंचने की आशंका है। मार्ग कोटगांव, सिदरी, सांकरी समेत आसपास के गांवों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इसी मार्ग से पर्यटकों की आवाजाही भी होती है। ऐसे में मार्ग की अस्थिर स्थिति से ग्रामीणों के साथ पर्यटन और बागवानी गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है। प्रधान संगठन मोरी के अध्यक्ष कैलाश डिमरी और दीपक डिमरी ने कहा कि पुल के आसपास लगातार हो रहे भूस्खलन को गंभीरता से लेते हुए विशेषज्ञों से तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए और स्थायी सुरक्षा कार्य तत्काल शुरू किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि संभावित दुर्घटना से पहले प्रभावी कदम उठाना जरूरी है। इधर, पीएमजीएसवाई के कनिष्ठ अभियंता प्रदीप रावत ने बताया कि पुल के आसपास भूस्खलन और एप्रोच की सुरक्षा के लिए करीब 28 लाख रुपये का प्राकलन तैयार कर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही सुरक्षा एवं उपचारात्मक कार्य प्राथमिकता से शुरू कराए जाएंगे।

मानसून अंतराल के बाद भीमताल में व्यावसायिक पैराग्लाइडिंग सीजन शुरू

नैनीताल(आरएनएस)। तीन माह के मानसून अंतराल के बाद भीमताल में गुरुवार से व्यावसायिक पैराग्लाइडिंग सीजन शुरू हो गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद से अनुमति प्राप्त करने वाले ऑपरेटरों ने अपनी फ्लाइट्स का संचालन शुरू कर दिया है, जबकि शेष ऑपरेटर भी आगामी दो से तीन दिनों में अनुमति मिलने के बाद सेवाएं शुरू करेंगे। भीमताल में व्यावसायिक पैराग्लाइडिंग का संचालन तीन क्लस्टरों के माध्यम से 11 ऑपरेटरों द्वारा किया जा रहा है। मानसून के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से जुलाई से सितंबर तक पैराग्लाइडिंग गतिविधियां बंद रहती हैं। मौसम अनुकूल होने और आवश्यक अनुमति एवं सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद प्रत्येक वर्ष नए सीजन का संचालन शुरू किया जाता है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के सदस्य नितिन राणा ने बताया कि भीमताल में पिछले 26 वर्षों से व्यावसायिक पैराग्लाइडिंग का संचालन किया जा रहा है। यह गतिविधि लंबे समय से पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। उन्होंने कहा कि परिषद की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पर्यटकों को सुरक्षित एवं रोमांचक अनुभव उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि भीमताल की प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत झीलें और आसपास की पर्वतीय वादियां आसमान से बेहद आकर्षक दिखाई देती हैं। यही वजह है कि देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर उत्तर भारत से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पैराग्लाइडिंग का आनंद लेने पहुंचते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

इन आसान तरीकों से होगा घुटनों का दर्द दूर, जाने...

आजकल घुटनों में दर्द की समस्या बहुत आम है। वे दिन बीत गए, जब यह समस्या सिर्फ उम्रदराज लोगों को होती थी। आजकल कम उम्र के लोग भी इसके शिकार हो जाते हैं। वैसे तो घुटने में दर्द की समस्या आम मानी जाती है। लेकिन वास्तव में यह काफी तकलीफदेह हो सकती है। इस स्थिति में लोग अक्सर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं। लेकिन आप बिना दवाइयों के भी कुछ नेचुरल उपाय अपनाकर इस घुटने के दर्द से राहत पा सकते हैं। लेकिन घुटनों में दर्द हो रहा है तो एक बार चिकित्सक की राय भी लेना जरूरी है। आपको बता दें कि हमारे घुटने शरीर के लिए कई प्रकार के झटके सहन करते हैं। इसीलिए घुटनों का स्वस्थ होना हमारी सम्पूर्ण सेहत के लिए बेहद जरूरी है।

गठिया रोग : कमजोर घुटने या गठिया रोग से ग्रस्त घुटनों की वजह से हमारा चलना-फिरना प्रभावित हो जाता है। स्वस्थ घुटने होने के लिए आवश्यक है कि हमारे शरीर का वजन सही हो ताकि हमारे घुटनों पर अतिरिक्त बोझ ना पड़े इसके साथ ही खूब सारा एक्ससाइज भी जरूरी है। चलिए हम आपको कुछ तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपने घुटने स्वस्थ रख सकते हैं।

ऊंची, नीची जमीन पर न चलें: अगर



आपको गठिया या घुटने की कोई समस्या है तो आप बहुत दलदली या ऊंची, नीची जमीन पर नहीं चलना चाहिए। हमेशा सड़क के किनारे या समतल धरातल पर चलें। ताकि आपके घुटनों पर कोई झटका ना लगे।

सीढ़ियों पर न कूदें: अगर आपके घुटने सही हालत में नहीं हैं, तो सीढ़ी आदि पर दौड़कर उनपर कोई भी अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहिए। खासकर यदि आपका वजन ज्यादा है तो तेज कदमों से सीढ़ी पर दौड़ना आपके घुटनों के लिए नुकसानदायी साबित हो सकता है। सीढ़ियों पर धीरे-धीरे

चढ़ें और किनारों का सहारा लीजिए, ताकि शरीर का वजन बंट जाए।

साइकिल चलाते वक्त रखें इस बात का ध्यान: साइकिल चलाना एक अच्छा एक्ससाइज है। लेकिन याद रखें जब भी आप साइकिल के पैडल चलाएं अपने घुटने सीधे रखें, इसके लिए जरूरी है कि आप साइकिल की सीट जितनी ऊंची रख सकें रखें। अक्सर कई बार खेलकूद के कारण से घुटनों में चोट लग सकती है। इसीलिए किसी हादसे से बचने के लिए हमेशा खेलकूद के दौरान रक्षात्मक कवच पहनना चाहिए। (आरएनएस)

रोज ऑयल का ऐसे करें इस्तेमाल, बढ़ जाएगी आपकी खूबसूरती

गुलाब जहां अपनी खूबसूरती और खुशबू के लिए जाना जाता है, वहीं स्किन के लिए भी यह कई तरह से फायदेमंद होता है। गुलाब के तेल से एक नहीं, कई फायदे होते हैं। यह स्किन को तो जवां बनाए

ही रखता है, वहीं इसमें मौजूद एंटीसेप्टिक और ऐस्ट्रिजेंट गुण स्किन में निखार लाते हैं। वहीं बढ़ती उम्र के प्रभावों को कम करने में भी मददगार होता है। गुलाब के तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व चेहरे पर आने वाली झुर्रियों को कम करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। रोजाना इस तेल से मसाज करने से आंखों के नीचे पड़ने वाली

लकीरें दूर होती हैं। आप भी जानिए गुलाब के तेल के फायदों के बारे में.....

– गुलाब के तेल में मौजूद ऐंटीऑक्सीडेंट गुण स्किन को साफ रखते हैं और इसमें निखार लाते हैं। यह स्किन के रोम छिद्रों में गंदगी जमने से रोकता है और ऐसे में स्किन साफ नजर आती है। वहीं इसके नियमित इस्तेमाल से चेहरे के संपर्क में आने वाली गंदगी और धूल को हटाने में भी मदद मिलती है। यही वजह है कि स्किन में चमक बनी रहती है।

– गुलाब का तेल स्किन को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। इसके इस्तेमाल से

चेहरे पर निकलने वाले मुंहासे कम होने लगते हैं। वहीं यह स्किन के अन्य दाग धब्बों को भी हटाने में मददगार होता है।

– इसके इस्तेमाल से स्किन मुलायम बनी रहती है। गुलाब का तेल स्किन को कुदरती तौर पर नमी देता है। ऐसे में अगर इन सर्दियों में आपकी स्किन रूखी, बेजान नजर आ रही हो तो आप आप गुलाब का तेल इस्तेमाल कर सकती हैं।

– गुलाब का तेल स्किन के रोम छिद्रों की गहराई से सफाई करता है। साथ ही यह चौड़े हुए छिद्रों को कम भी करने में मददगार होता है। (आरएनएस)

सिरदर्द और माइग्रेन से निजात पाने के लिए कुछ आसान उपाय

मौजूदा समय में भागदौड़ से भरी जिंदगी के चलते लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस भागदौड़ के चलते तनाव का बढ़ना एक आम समस्या है। तनाव से सिर दर्द की समस्या भी होती है लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। माइग्रेन उम्र के किसी भी पड़ाव में हो सकता है लेकिन, आप कुछ घरेलू और आसान उपाय अपनाकर इस बीमारी के दर्द से राहत पा सकते हैं।

अगर आप सिरदर्द या माइग्रेन के शिकार हैं तो हो सकता है कि इसका कारण आपके सोने के गलत पैटर्न हों।

– अच्छी नींद के लिए शांत वातावरण का होना जरूरी है। सोने से पहले लाइट को बंद करें। कमरे को अंधेरा करके और शांत वातावरण में सोना चाहिए।

– टेम्परेचर थेरेपी को अप्लाई करें। गर्म और ठंडा सेक अपने सिर और गर्दन

के पास लें। आइस पैक का इस्तेमाल भी कर सकते हैं, जिससे दर्द में राहत मिल सकती है। हीटिंग पैड्स तनावग्रस्त मांशपेशियों में राहत प्रदान करते हैं।

– कैफीनयुक्त पेय का इस्तेमाल करें।



शुरुआती अवस्था में माइग्रेन के दर्द में कैफीन का कम मात्रा का सेवन भी राहत प्रदान करता है।

– माइग्रेन के दर्द के चलते नींद में काफी दिक्कत आती है। सोने के समय का ध्यान रखें। नियत समय पर जागें और नियत समय पर सोने की कोशिश करें। यदि आप

दिन के समय लेटते हैं तो इस अवधि को कम रखने की कोशिश करें।

– बेहतर नींद के लिए खुद को रिलैक्स करने की कोशिश करें। सॉफ्ट म्यूजिक को सुनें, मनपसंद किताब को पढ़ें। रात को सोने से पहले अधिक एक्सरसाइज, भारी भोजन, कैफीन, निकोटिन और अल्कोहल का सेवन न करें।

– भटकाव को हावी न होने दें। बिस्तर पर सोने के दौरान टीवी देखने और दस्तावेजी काम को न करें।

– जबरदस्ती सोने की कोशिश न करें। नींद आने के लिए कुछ पढ़ें और अन्य रुचिकर कार्य करें।

– खानपान की आदतें भी माइग्रेन को प्रभावित करती हैं। भोजन करने के समय का ध्यान रखें। भोजन न करना अधिक नुकसानदेह हो सकता है। यदि आप देर तक भोजन नहीं करते हैं तो माइग्रेन का रिस्क बढ़ जाता है।

मौसम बदलने के बाद बीमार पड़ गए हैं?

मौसम में बदलाव होते ही लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासतौर से बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और बुखार जैसी बीमारियां आम हो जाती हैं। इसके अलावा मौसम के बदलाव से शरीर में कमजोरी, सिरदर्द और पेट की समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर आपको भी मौसम का असर महसूस होता है तो इन 5 उपायों को अपनाकर आप इस परेशानी से बच सकते हैं।

रोजाना करें कसरत

रोजाना कसरत करने से आपका शरीर स्वस्थ रहता है। कसरत से शरीर में गर्मी बनी रहती है और आप ठंड से बच सकते हैं।

इसके अलावा नियमित कसरत करने से आपकी रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आप बीमारियों से लड़ने में सक्षम होते हैं। रोजाना कुछ मिनट योग या व्यायाम करने से आपका शरीर फिट रहता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

आप जिम जा सकते हैं या घर पर ही कसरत कर सकते हैं।

सही खाना खाएं

सही खाना आपके शरीर को जरूरी पोषण देता है, जिससे आपकी बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करें, जो विटामिन-सी और अन्य जरूरी चीजों से भरपूर हों, ताकि आपकी सेहत बनी रहे।

इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें और सूखे मेवे भी अपने खाने में शामिल करें। इनसे आपकी बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है और आप बीमारियों से बच सकते हैं।

पूरी नींद लें

पूरी नींद लेना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अहम है। अच्छी नींद लेने से आपका शरीर आराम करता है और ऊर्जा मिलती है, जिससे आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करते हैं।

इसके अलावा अच्छी नींद लेने से आपका दिमाग भी बेहतर तरीके से काम करता है, जिससे आप तनाव मुक्त रहते हैं और आपकी बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

रोजाना 7-8 घंटे की नींद लेना अच्छा माना जाता है।

हाथ धोने की आदत डालें

हाथ धोना एक सरल, लेकिन असरदार तरीका है, जिससे आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। खासतौर से बाहर खाने-पीने या किसी सार्वजनिक स्थान पर जाने के बाद अपने हाथों को अच्छे से धोना न भूलें।

साबुन और पानी से हाथ धोने के अलावा अल्कोहल वाले हाथ साफ करने वाले का उपयोग भी करें। इससे कीटाणु और बैक्टीरिया खत्म होते हैं, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

गर्म कपड़े पहनें

गर्म कपड़े पहनकर आप ठंड से बच सकते हैं और अपने शरीर को गर्म रख सकते हैं। ऊनी स्वेटर, मफलर, टोपी और मोजे पहनें, ताकि आपका पूरा शरीर ठंड से सुरक्षित रहे। इसके अलावा जब भी बाहर निकलें तो अपने साथ एक छाता या बारिश की जैकेट रखें ताकि बारिश में भीगने से बच सकें। इन सरल उपायों को अपनाकर आप मौसम के बदलाव से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

नेलपॉलिश लगाने से पहले जरूर जान लें ये 5 गंभीर नुकसान

क्या आप नेलपॉलिश लगाने की शौकीन हैं? लेकिन क्या आपको पता है, कि नेलपॉलिश आपके लिए खतरनाक हो सकती है। ये हम न हीं कह रहे बल्कि शोध में इसकी पुष्टि हो चुकी है। नेलपॉलिश के कलर्स भले ही आपको आकर्षित करते हों, लेकिन इसे बनाने के लिए प्रयोग किए गए केमिकल आपको नुकसान पहुंचाते हैं। नियमित रूप से नेलपॉलिश का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं पर हुए शोध में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जानिए ...

- नेलपॉलिश का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं में ट्रिफेन्यल फॉस्फेट जैसा जहरीला पदार्थ पाया गया। खास बात यह है कि नेलपॉलिश के लेबल पर इसका कहीं जिक्र नहीं होता।
- सबसे बड़ा खतरा उत्पन्न होता है जब यह केमिकल शरीर में प्रवेश कर ब्लूमन सिस्टम में गंभीर बदलाव लाता है। यह खास्तौर पर दिमाग और नर्वस सिस्टम में बदलाव पैदा करता है। यह पेट के पाचन और हॉर्मोन सिस्टम में भी गड़बड़ी पैदा कर देता है।
- न्यूरोटॉक्सिन ऐसे जहरीले पदार्थ होते हैं जो सीधे दिमाग पर असर डालते हैं। इसके साथ ही ये रीढ़ की हड्डी पर भी असर छोड़ता है। नर्वस सिस्टम को प्रभावित करने वाला यह अन्य जहरीला तत्व नेलपॉलिश में मौजूद रहता है।
- फॉर्मेलडेह्ये एक तत्व है जो कार्सिनोजेनिक या कैंसर पैदा करने वाला होता है। इसकी मौजूदगी से कैंसर सेल्स बनते हैं।
- नेलपॉलिश में टोल्यून नाम का तत्व होता है। यह मां के दूध में सीधे घुस जाता है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं से यह बच्चे में जाता है। इससे बच्चे के विकास पर सीधा असर पड़ता है। नेलपॉलिश के इस्तेमाल के 10 घंटे बाद, इसका असर चरम पर होता है।

करिए बच्चों के साथ पढ़ाई और सुधारिए उनकी हैंडराइटिंग

स्मार्टफोन और मोबाइल के बढ़ते चलन ने लोगों की लिखने की आदत को लगभग खत्म सा कर दिया है। जिसके कारण हैंडराइटिंग की अहमियत कम हो गई है। स्मार्ट दुनिया में पैरेंट्स ने भी बच्चों की हैंडराइटिंग पर ध्यान देना कम कर दिया है। आइए जानते हैं कैसे सुधारी जा सकती है बच्चों की हैंडराइटिंग।

क्यों जरूरी है अच्छी हैंडराइटिंग?

एग्जाम में अक्सर बच्चों को लगता है कि उन्हें नंबर लाने के लिए सिर्फ पढ़ाई की जरूरत है। परन्तु ऐसा नहीं है एग्जाम पेपर में गंदी लिखावट के कारण भी नंबर कम मिलते हैं। एग्जाम में अच्छे नंबर लाने के लिए लिखावट का सुंदर और स्पष्ट होना बेहद जरूरी है। अगर आप भी अपने बच्चे की खराब हैंडराइटिंग को उसकी सफलता की राह का पत्थर नहीं बनने देना चाहते हैं तो बच्चों की हैंडराइटिंग को सुधारने में आज ही लग जाइए।

पेंसिल ग्रिप करने का सही तरीका

बच्चे की हैंडराइटिंग सुधारने का सबसे पहला स्टेप है बच्चों को पेंसिल की ग्रिप



सही से पकड़ने का तरीका बताना। गलत तरीके से पेंसिल पकड़ने के कारण भी हैंडराइटिंग खराब हो जाती है। छोटे बच्चे को पेंसिल अंगूठे और दूसरी उंगली के बीच में रखकर पेंसिल के ऊपरी भाग को पकड़कर लिखना सिखाएं।

राइटिंग प्रोजेक्ट्स

बच्चों को पेंसिल और पेपर पर लिखने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें कुछ खास राइटिंग प्रोजेक्ट्स करने के लिए दें। राइटिंग

प्रोजेक्ट्स से बच्चों का मन प्रोत्साहित होता है। आप बच्चों को राइटिंग प्रोजेक्ट्स में निम्न चीजें दे सकती हैं।

- मां-पापा या मामा या फिर किसी दोस्त को लैटर लिखने के लिए कहें।
- किसी रंगीन पेपर पर बच्चे को कविता लिखने के लिए कहें, इसके बाद इसे घर की किसी दीवार पर लगाएं।
- बच्चों को कई तरह के कार्ड बनाने के लिए कहें।

ब्रेन स्ट्रोक से बचना चाहते हैं तो अच्छे से करें ब्रश!

कई लोग दांत की साफ-सफाई करते वक्त मसूड़ों पर ध्यान नहीं देते। जबकि मसूड़ों की साफ सफाई भी उतनी ही जरूरी है जितनी कि दांतों की। गंदे मसूड़े पर बैक्टीरिया और गंदगी जमा होने के कारण सूजन आ सकती है। मसूड़ों से खून आना मसूड़े की गंदगी और इसपर बैक्टीरिया जमा होने का एक लक्षण है। मसूड़े साफ न होने पर स्ट्रोक, डाइबिटीज और दिल की बीमारियों जैसी जानलेवा समस्याएं हो सकती हैं। हाल में हुए एक शोध में यह बात सामने आई है कि मसूड़ों की बीमारी से जुड़ा रहे वयस्कों में सामान्य लोगों के मुकाबले में ब्रेन स्ट्रोक होने का

खतरा ज्यादा होता है। एक शोध में यह बात सामने आई



कि मसूड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों के मस्तिष्क में धमनियों के जाम ब्लॉक (अवरुद्ध) होने की संभावना दोगुनी थी। जब मस्तिष्क की धमनियां चिपचिपे पदार्थ से चिपक जाती हैं, तो खून का

बहाव सीमित हो जाता है और स्ट्रोक का कारण बनता है। मसूड़ों की सूजन खून के बहाव को को प्रभावित करके धीरे-धीरे रक्त वाहिकाओं को क्षतिग्रस्त कर देता है।

रोजाना दांतों की सफाई करना इस बीमारी से बचने का सबसे आसान तरीका है। मसूड़ों की बीमारी जिसे पेरीडोंटल भी कहते हैं, बैक्टीरिया और गंदगी की वजह से होने वाला संक्रमण है। इसका सबसे मुख्य लक्षण मसूड़ों से खून आना है। अगर इसका इलाज नहीं हुआ, तो जबड़े को समर्थन देने वाले ऊतकों तक यह बीमारी फैल जाती है जिससे सारे दांत गिर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य - 61

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

- अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो
- बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ
- हल्कीनींद, चकमा, धोखा
- शक्कर पानी आदि का मीठा घोल
- सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना
- चरमसीमा, सीमांत
- पानी, आंसू
- बैठा हुआ, विराजित
- नृत्य

ऊपर से नीचे

- गणपतिजी,
- मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला
- मिट्टी के रंग का, मटमैला
- चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज,
- निशाचर, रात में विचरण करने

मृतप्राय, मृत्यु के करीब

19. जल, अम्बु

22. उपहार, भेंट

23. खबर, संदेश।

वाला

8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है,

9. मिठाई, खाने की मीठी चीज

12. शासन, गुप्तबात

13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य

15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभाग्य

16. प्रसिद्ध, नामवर

18. स्वप्न, ख्वाब

20. करीब, नजदीक, समीप

21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 60 का हल

अ	भि	षे	क		प	स			
जा	त		थ	प	थ	पा	ना		
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि	
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द		
	त	ना	त	नी		र्व		ब	
अ		मा		ज	मा	त		ल	
स	जा					क	ज	रा	
बा		बे	स	हा	रा		ग	म	
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त		

बॉक्स ऑफिस पर द वन ने मडे टेस्ट भी किया पास, बनी सिद्धार्थ की 7वीं सबसे बड़ी फिल्म

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत लोककथाओं पर आधारित फंतासी रोमांचक फिल्म द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' ने शुरुआती सप्ताहांत में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। 25 सितंबर 2०26 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले तीन दिनों में 3० करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया। हालांकि, रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने सोमवार को 5.25 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म ने पहले दिन 8 करोड़ रुपये से शुरुआत की थी। दूसरे दिन इसकी कमाई 11.25 करोड़ रुपये रही, जबकि तीसरे दिन फिल्म ने 14.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके बाद चौथे दिन 5.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ भारत में फिल्म का चार दिनों का कुल शुद्ध कारोबार 38.85 करोड़ रुपये हो गया है। द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' को भारतीय लोककथाओं, भक्ति, कार्रवाई और अलौकिक घटनाओं के मिश्रण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। फिल्म की कहानी पटना के पास बिहटा स्थित वन देवी मंदिर से जुड़ी लोककथा से प्रेरित बताई गई है। निर्माताओं ने इसे पौराणिक कथाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित मुख्यधारा की मनोरंजक फिल्म के रूप में पेश किया है। बिहार के अलावा दिल्ली-एनसीआर और कई अन्य राज्यों में फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिला। हालांकि सप्ताहांत के बाद सोमवार को इसकी कमाई की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। पहले सोमवार को 5.25 करोड़ रुपये का कारोबार करने के साथ %द वन' सिद्धार्थ मल्होत्रा के करियर की भारतीय बॉक्स ऑफिस पर प्रमुख फिल्मों में शामिल हो गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने %हंसी तो फंसी' के 37.36 करोड़ रुपये के जीवनकाल कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। चार दिनों में 38.85 करोड़ रुपये के शुद्ध कारोबार के साथ फिल्म की कमाई में आगे भी बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है।

इसी बीच अली फजल, दिव्येंदु, रसिका दुग्गल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत मिर्जापुर द मूवी' सिनेमाघरों में चौथे सप्ताह में पहुंच गई है। फिल्म ने 25.75 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की थी और 24वें दिन 1.7० करोड़ रुपये का कारोबार किया। शुरुआती कारोबार के आंकड़ों के अनुसार, रिलीज के 25वें दिन यानी चौथे सोमवार को फिल्म ने 6० लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ भारत में 25 दिनों का फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार 227.65 करोड़ रुपये हो गया है। दूसरी ओर, हनुमान अंश' का सिनेमाघरों में लंबा सफर जारी है। फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 3०० करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 53वें दिन यानी आठवें सोमवार को हनुमान अंश' ने 2.35 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ भारत में फिल्म का 53 दिनों का कुल शुद्ध कारोबार बढ़कर 3०9.38 करोड़ रुपये हो गया है। द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में सिद्धार्थ मल्होत्रा, तमन्ना भाटिया, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी, अनूप सोनी, मनीष पॉल, अवतार गिल, मिलिंद गुणाजी, सुभा आर्य, दुर्गेश कुमार, संदीप वेद और अक्षान सहरावत प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा और अरुणाभ कुमार ने किया है। यह कार्रवाई, रोमांच, फंतासी, रहस्य और रोमांचक कथा पर आधारित फिल्म है। इसका निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स, टीवीएफ मोशन पिक्चर्स और 11०1 प्रोडक्शंस ने किया है। 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म की कहानी भारतीय लोककथाओं और पौराणिक संदर्भों के जरिए रहस्य और रोमांच को सामने लाती है।

उदिति सिंह ने करण वाही से रिश्ते पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- ब्रेकअप के बाद जिंदगी बदल गई

अभिनेत्री उदिति सिंह इस समय रियलिटी शो बिग बॉस-2० में नजर आ रही हैं। शो के दौरान उदिति ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड और अभिनेता करण वाही के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। उदिति ने बताया कि कैसे कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उनका रिश्ता खराब होने लगा था। साथी कंटेस्टेंट स्काउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि अलग होने के बाद उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पूरी तरह बदल गई। उदिति ने कहा, ब्रेकअप के बाद मेरे लिए यह एक तरह से वरदान साबित हुआ। क्योंकि उसके बाद मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी लाइफ, सब कुछ बदल गया था। उन्होंने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने और उनके एक्स-पार्टनर ने एक गोल्डन रिट्रीवर डॉग को अडॉप्ट किया था, जिसका नाम नोआ है। उदिति सिंह ने कहा, हमने लॉकडाउन में साथ में नोआ नाम का गोल्डन रिट्रीवर लिया था, तो उसी को लेकर हमारे बीच काफी झगड़े शुरू हो गए थे। उस वक्त कोविड भी था, तो हम दोनों पर सफाई का काफी काम रहता था। मेरा सफाई करने का तरीका अलग था और उसका अलग। फिर वह इस बात को लेकर थोड़ा डॉमिनेट भी करता था और कहता था, तुम्हें नहीं आता। क्योंकि वह उम्र को लेकर बहुत ज्यादा सोचता था, उसके लिए हर चीज ऐसी थी कि तुमसे नहीं हो पाएगा। तुम्हें ये-वो नहीं आता। तुम नोआ को नहीं संभाल पाओगी। तो मुझे लगता था कि मेरा पार्टनर बहुत डीमोटिवेट करने वाला है।

उदिति ने आगे कहा, ऐसा ही होता है, जब दो लोगों का एक होना नहीं लिखा होता है, तो बात-बात पर लड़ाई होती है और जब एक होना लिखा होता है, तब सब कुछ अच्छा होता है। उदिति का यह बयान बिग बॉस 2० के घर में करण के साथ अपने रिश्ते को लेकर पहले की गई बातों के बाद आया है। दोनों के रिश्ते के बारे में साल 2०19-2० के आसपास सभी को पता था, उस वक्त करण ने उदिति के साथ तस्वीरें भी शेयर की थीं। बताया जाता है कि उनका रिश्ता काफी सीरियस था। उदिति ने पहले घरवालों को बताया था कि दोनों करीब ढाई साल तक साथ रहे थे और शादी तक की बात भी हुई थी।

डायरेक्टर इशिका के काम की दीवानी हुई अदा खान, बोलीं- मैं तो बस देखती ही रह गई

अभिनेत्री अदा खान साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज द लिफ्ट में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि शूट के दौरान सभी एक्टर्स के बीच में बॉन्ड काफी अच्छा बन गया था। अभिनेत्री ने कहा, हर दिन हमारा एक नया अनुभव होता था। एक ताजगी का एहसास था और मैं खुद भी कुछ नया महसूस कर रही थी। काफी समय से मुझे ऐसा कुछ करने का मौका नहीं मिला था। इस शो ने मुझे अलग ही खुशी दी और मुझे इस पर काम करके बहुत मजा आया। अदा खान ने सीरीज में अभिनेता प्रतीक सहजपाल के साथ काम करने को लेकर भी बात की।

उन्होंने माना कि वह खुद इंट्रोवर्ट हैं और जल्दी दोस्ती नहीं कर पातीं लेकिन प्रतीक ने उन्हें टीम के साथ घुलने-मिलने में मदद की। उन्होंने कहा, प्रतीक ऐसा इंसान है जो खुद ही माहौल को हल्का कर देता है। वह बहुत ही चिल्ल-आउट इंसान है। आप उसके साथ बातें करते रह सकते हैं और मस्ती कर सकते हैं। मुझे लगता है कि वह उन गिने-चुने लोगों में से एक है जिसके साथ मुझे खुलने में ज्यादा समय नहीं लगा।

अभिनेत्री ने बताया कि वह शूट के दौरान निर्देशक इशिका के काम से भी काफी प्रभावित रहीं थीं। उन्होंने कहा, मैं कह सकती हूं कि मैं उनके काम से बहुत ज्यादा इम्प्रेस थी, या कहूं तो मंत्रमुग्ध थी। पूरे शूट के दौरान मैं बस उनके काम को देखती रह गई।



इसके साथ ही शो की कहानी के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा, हर इंसान में अच्छाई और बुराई दोनों होती हैं। मुझे लगता है कि हर किरदार के पीछे एक साइकोलॉजिकल पहलू होता है। मैं ज्यादा कुछ बताना नहीं चाहती लेकिन हर किरदार में कई परतें हैं और उन्हें एक्सप्लोर करना काफी दिलचस्प रहा।

अदा खान ने बताया कि लिफ्ट जैसी छोटी जगह में सुबह से लेकर पैकअप तक लंबे समय तक साथ रहने से एक्टर्स को बातचीत करने, रिलैक्स करने और बॉन्डिंग करने का खूब मौका मिला, भले ही उनके सीन खत्म हो चुके हों। उन्होंने कहा कि इससे कास्ट के बीच एक बिल्कुल अलग तरह की बॉन्डिंग बनी।

ऋचा चड्ढा लेकर आई नया ट्रैवल शो मुसाफिरी



अभिनेत्री ऋचा चड्ढा की नॉन-फिक्शन ट्रैवल सीरीज मुसाफिरी का पहला एपिसोड रिलीज हो रहा है। इस सीरीज में मुंबई शहर के इतिहास, वहां के समुदायों, छिपी हुई कहानियों और कम चर्चित जगहों को दिखाया जाएगा। पहले एपिसोड में मुंबई के इतिहास, कल्चर और कुछ सबसे हैरान करने वाले राज दिखाए गए हैं। इस एपिसोड में किम कार्दशियन और साउथ मुंबई के सबसे मशहूर इलाकों में से एक काला घोड़ा के बीच एक अनोखा कनेक्शन भी

बताया गया है। ऋचा ने मुंबई को भी एक्सप्लोर किया है और शहर के देवी-देवताओं से जुड़े दिलचस्प किस्से बताए हैं, जिनमें मां महालक्ष्मी भी शामिल हैं, जिन्हें मुंबई की माता देवी माना जाता है।

अभिनेत्री का मानना है कि मुंबई शहर ऐसी कहानियों से भरा पड़ा है, जिनके बीच लोग बड़े होते हैं लेकिन कभी रुकककर उन्हें जानने की कोशिश नहीं करते। अभिनेत्री ने कहा, मुंबई में इतनी सारी

कहानियां हैं, जिनके बीच हम बड़े हुए हैं, लेकिन लोगों के साथ मैं इन्हें शेयर करना चाहती थीं।

एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के सबसे पुराने आर्मेनियाई चर्चों में से एक में भी ले जाया जाता है और गेटवे ऑफ इंडिया के इतिहास और इसे क्यों बनाया गया था, इसके बारे में भी बताया गया है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जो लोग पूरी जिंदगी मुंबई में रहे हैं, वे भी शहर को एक अलग नजर से देखेंगे और उन्हें लगेगा जैसे वे एक नई मुंबई को खोज रहे हैं।

मुसाफिरी का पहला एपिसोड आज शाम उनके यूट्यूब चैनल फुलस्टॉप पर आएगा।

एक्टिंग की बात करें तो, वह आखिरी बार संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित हीरामंडी- द डायमंड बाजार में देखी गई थीं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर के हीरा मंडी के रेड-लाइट एरिया पर बनी यह सीरीज ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के तहत तवायफों के जीवन और राजनीतिक और व्यक्तिगत संघर्षों के साथ उनके जुड़ाव को दिखाती है।

सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल और ताहा शाह बद्शा शामिल हैं। सिनेमा में वह आखिरी बार मृगदीप सिंह लांबा द्वारा डायरेक्टेड फुकरे 3 में देखी गई थीं।



सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश लेकर पुलिस ने मनाई गांधी जयंती

संवाददाता
टिहरी। सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश लेकर पुलिस ने गांधी जयंती मनायी।
पुलिस लाइन चंबा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे, क्षेत्राधिकारी टिहरी एवं अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने की शपथ ली गई। साथ ही पुलिस लाइन चंबा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया।
इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता चौबे के द्वारा पुलिस परिवार के स्वच्छकों को सम्मानित भी किया गया। पुलिस कार्यालय, नई टिहरी में अपर पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल, अमित कुमार द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ गांधी जयंती के अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए तथा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त थाना एवं चौकी परिसरों में भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा एवं स्वच्छता के आदर्शों तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रसेवा के मूल्यों को स्मरण किया गया। टिहरी पुलिस परिवार द्वारा दोनों महान विभूतियों के राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों को अपने आचरण एवं कर्तव्य में अपनाने का संकल्प लिया गया।

सू- दोकू क्र.61

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.60 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

जनता के ‘आशीर्वाद’ की तलाश में भाजपा

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2०27 को लेकर भाजपा ने संगठन को चुनावी मोड में लाने की कवायद तेज कर दी है। पार्टी की रणनीति अब केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने तक सीमित नहीं दिख रही, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता, कमजोर सीटों पर पकड़ मजबूत करने और अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच संवाद बढ़ाने पर जोर है। हाल के संगठनात्मक कार्यक्रमों में इसका खाका सामने आया है।

भाजपा के सामने 2०27 में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य है। इसके लिए पार्टी ने जमीनी संगठन को अपनी रणनीति का मुख्य आधार बनाया है। अगस्त-सितंबर के लिए जारी कार्यक्रमों में बूथ सशक्तीकरण, शक्ति केंद्रों की बैठकें, मतदाता संपर्क और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से संवाद को प्राथमिकता दी गई। पार्टी की कोशिश हर बूथ और हर घर तक संगठन की पहुंच बढ़ाने की है।

भाजपा की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पिछली विधानसभा में हारी 23 सीटें हैं। इन क्षेत्रों में वरिष्ठ नेताओं और संगठन के पदाधिकारियों के प्रवास, रात्रि विश्राम, बूथ संवाद तथा स्थानीय स्तर पर

प्रभावशाली लोगों से संपर्क जैसे कार्यक्रम किए गए। पार्टी इन सीटों पर पिछली हार के कारणों को समझने और संगठनात्मक कमियों को दूर करने की कोशिश कर रही

◆भाजपा ने बनाई बूथ से घर तक पहुंचने की रणनीति,संगठन को चुनावी मोड में लाने की कवायद तेज की, संगठनात्मक कार्यक्रमों में इसका खाका किया तैयार

है। वहीं जीती हुई सीटों को सुरक्षित रखना भी रणनीति का अहम हिस्सा है। पार्टी ने मौजूदा विधायकों को अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने, सरकार के काम जनता तक पहुंचाने और स्थानीय समस्याओं के समाधान पर जोर देने का संदेश दिया है। प्रत्याशी चयन में क्षेत्रीय सक्रियता, संगठन के फीडबैक और सर्वे को आधार बनाए जाने की बात भी सामने आई है।

2०27 की चुनावी रणनीति में युवा मतदाताओं को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है। राष्ट्रीय नेतृत्व की बैठकों में पहली बार मतदान करने वाले और 18 से 29 वर्ष के युवाओं तक पहुंच बढ़ाने, महाविद्यालय संपर्क, डिजिटल संवाद और युवा कार्यक्रमों पर चर्चा हुई है। इसके साथ ही भाजपा ने ओबीसी समाज के बीच संपर्क

मंगला देवी इंटर कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई गांधी जयंती

संवाददाता
देहरादून। मंगला देवी इंटर कॉलेज में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती बड़े ही उत्साह, श्रद्धा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई।

आज यहां मंगला देवी इंटर कॉलेज में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती बड़े ही उत्साह, श्रद्धा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री

के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधनाचार्य सुभाष पंत, प्रबंधक लोकेश बहुगुणा, उप-प्रधानाचार्य कपूर सिंह पंवार, श्रीमती शालिनी, श्रीमती रावत, दिव्यांशु नौटियाल, उपेंद्र बहुगुणा, शुभम भट्ट सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण, कविताएं, देशभक्ति गीत एवं भजन प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा एवं स्वच्छता

अभियान को भी गति दी है। घर-घर प्रवास, समाजवारसंवाद औरविभिन्न वर्गोंकेप्रतिनिधियों से संपर्क के कार्यक्रम इसके हिस्से हैं।

भाजपा ने प्रदेश कार्यसमिति के स्तर पर विकास, सुशासन, सामाजिक समरसता, जनकल्याण और उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को अपने संभावित चुनावी एजेंडे के प्रमुख बिंदुओं के रूप में रखा है। पार्टी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को भी चुनावी संवाद का आधार बनाने की तैयारी में है। इस पूरी कवायद का राजनीतिक संदेश साफ है कि 2०27 का चुनाव भाजपा केवल चुनावी मौसम में शुरू होने वाला अभियान नहीं बनाना चाहती। संगठन की गतिविधियों को पहले से ही चुनावी तैयारी में बदलकर पार्टी मतदाताओं तक लगातार पहुंच बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

अब असली परीक्षा इस रणनीति के जमीन पर असर की होगी। संगठन बूथ तक कितना सक्रिय होता है, विधायक स्थानीय असंतोष को कितना दूर कर पाते हैं और सरकार की उपलब्धियों के साथ जनता की मौजूदा अपेक्षाओं का संवाद कितना प्रभावी बनता है। इन सवालों पर भाजपा की 2०27 की चुनावी तैयारी की दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी।

डीएम सहित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने महान विभूतियों को दी श्रद्धांजलि

हमारे संवाददाता
उत्तरकाशी। जनपद के सभी तहसील, विकासखंड मुख्यालय सहित जिला कलेक्ट्रेट में महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी दोनों महान विभूतियों को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने रामधुन रघुपति राघव राजा रामछ पतित पावन सीतारामछ महात्मा गांधी के प्रिय भजन की प्रस्तुति दी।

जिलाधिकारी ने कहा कि आज का दिन देश के लिए विशेष महत्व रखता है। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से पूरी दुनिया को मानवता का मार्ग दिखाया,वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने ‘जय जवान, जय किसान’ का नारा देकर देश की सुरक्षा और कृषि क्षेत्र के



महत्व को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों के विचार और आदर्श देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इन्हीं

◆युवाओं से नशे से दूर रहने का किया आह्वान

मूल्यों से प्रेरणा लेकर देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आज ‘जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान’ के संकल्प के साथ भारत विकास और नवाचार के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने

युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा सत्य और ईमानदारी के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर दर्जाधारी राज्यमंत्री प्रताप सिंह पंवार, अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र, जिला पूर्ति अधिकारी आशीष कुमार, जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

करनपुर गोलीकांड के शहीद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हमारे संवाददाता देहरादून। करनपुर गोलीकांड के शहीद राजेश रावत की पुण्यतिथि पर आज श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य आंदोलन के बलिदान को किया याद किया।

उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के काले अध्याय करनपुर गोलीकांड की आज 32वीं पुण्यतिथि है। 3 अक्टूबर 1994 को पृथक राज्य निर्माण आंदोलन के दौरान करनपुर में पुलिस फायरिंग में शहीद हुए राज्य आंदोलनकारी राजेश रावत की पुण्यतिथि पर आज शहीद राजेश रावत स्मारक, करनपुर पर पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य आंदोलनकारियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी एवं प्रदेश कांग्रेस महासचिव विरेंद्र पोखरियाल सहित वक्ताओं ने कहा कि राज्य आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों का यह राज्य सदैव ऋणी रहेगा।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष लाल चंद शर्मा ने कहा कि राजेश रावत ने जिस निष्ठा और समर्पण से राज्य निर्माण में योगदान दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। राज्य आंदोलनकारियों ने इस दौरान शहीदों के परिजनों को न्याय और सम्मान दिलाने तथा शहीद स्थलों के संरक्षण की मांग भी दोहराई। आज के इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद राजेश रावत की माताजी, पूर्व राज्य मंत्री जितेंद्र रावत, मोहन खत्री पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल शाह अजय सूद जगमोहन नेगी पूर्ण सिंह लिंगवाल प्रमिला रावत दीवान सिंह बिष्ट मुकेश चौहान आशीष देसाई संजय थापा विकास शर्मा सहित कई राज्य आंदोलनकारी साथी पर मातृशक्ति उपस्थिति रही

गौरतलब है कि सितंबर-अक्टूबर 1994 में पृथक उत्तराखंड राज्य की मांग के लिए चल रहे आंदोलन के दौरान प्रदेश भर में कई स्थानों पर आंदोलनकारियों पर गोलियां बरसाई गई थीं। करनपुर गोलीकांड भी उसी कड़ी का एक दर्दनाक हिस्सा था, जिसने देहरादून के आंदोलन को नई दिशा दी थी।

असली 'सिस्टम' के फर्जी 'कागज'... << पृष्ठ 2 का शेष

सवाल उठे, वह पहले चरण में सत्यापन से कैसे निकल गए? फर्जी प्रमाणपत्र जारी करने वाले स्रोत तक पहुंचने की कार्रवाई कितनी दूर पहुंची? जिन मामलों में लाभ मिल चुका था, वहां सरकारी तंत्र की जवाबदेही किस स्तर पर तय हुई? क्या सरकार सभी भर्ती और प्रवेश प्रक्रियाओं में प्रमाणपत्रों का एकीकृत डिजिटल सत्यापन लागू करेगी?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि फर्जी कागज बनाने वाला पकड़ा जाएगा, लेकिन वह कागज सरकारी व्यवस्था के भीतर पहुंचा कैसे? यही वह सवाल है जिसका जवाब केवल गिरफ्तारी, मुकदमे या सीट रद्द करने से नहीं मिलेगा। जवाब तब मिलेगा जब सरकार बताएगी कि फर्जी दस्तावेज की पहली एंट्री रोकने के लिए व्यवस्था में क्या बदला गया। क्योंकि अगर हर बार फर्जी दस्तावेज पकड़े जाने के बाद जांच शुरू होगी, तो व्यवस्था फर्जीवाड़ा रोक नहीं रही होगी, सिर्फ उसका पता लगा रही होगी।

भाजपा का लक्ष्य, कांग्रेस की चुनौती... << पृष्ठ 2 का शेष

गया था। हालांकि किसी नेता के पार्टी बदलने से पूरा वोट बैंक स्थानांतरित हो जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं है। भाजपा के सामने अब चुनौती अपने 60 पार के लक्ष्य को सीट-दर-सीट वास्तविक चुनावी गणित में बदलने की है। कांग्रेस के सामने चुनौती भाजपा के इस लक्ष्य को रोकते हुए अपने सीट आधार को तेजी से बढ़ाने की है। वहीं छोटे दलों के सामने अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने का अवसर है।

इस पूरी तस्वीर में सबसे महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्र वह होंगे जहां पिछली बार मुकाबला करीबी रहा था। वहां कुछ हजार मतों का उतार-चढ़ाव भी बड़े दलों की सीट संख्या को प्रभावित कर सकता है। इसलिए 2027 की लड़ाई में बड़ा लक्ष्य और स्थानीय चुनावी गणित, दोनों साथ-साथ चलेंगे। भाजपा ने 60 पार का लक्ष्य सामने रख दिया है। कांग्रेस के लिए चुनौती अब केवल भाजपा को सत्ता से हटाने की नहीं, बल्कि अधिकतम सीटें अपने खाते में लाने की है और छोटे दलों के लिए यही मौका है कि वह उन सीटों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराएं जहां मुख्य मुकाबला करीबी हो सकता है। उत्तराखंड की 70 सीटों का चुनाव इसलिए 36 के बहुमत की लड़ाई भर नहीं रह गया है। अब असली राजनीतिक सवाल यह है कि कौन-सा दल अपने लक्ष्य के कितने करीब पहुंचता है और तीसरे राजनीतिक स्पेस में खड़े दल कितनी सीटों के गणित को प्रभावित करते हैं। यही 2027 के चुनाव का सबसे दिलचस्प अंकगणित बनने जा रहा है।



बाईक रैली के साथ तीन दिवसीय गुरुमत समागम का आगाज

संवाददाता देहरादून। बाईक रैली के साथ तीन दिवसीय श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के देहरादून आगमन दिवस को समर्पित गुरुमत समागम का आगाज हो गया है।

आज यहां बाईक रैली के साथ तीन दिवसीय श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के देहरादून आगमन दिवस को समर्पित गुरुमत समागम का आगाज हो गया है। यह महाआयोजन गुरु नानक पब्लिक ग्राउंड में भव्य तरीके से किया जा रहा है। बता दें कार्यक्रमानुसार सबसे पहले गुरु पंथ के आगमन के स्वागत में एक विशाल और शांतिपूर्ण बाइक रैली निकाली गयी। यह रैली आशा रोड़ी फ्लाईओवर से आरंभ होकर देहरादून शहर से होते हुए गुरु नानक ग्राउंड, रेस कोर्स पहुंची। इस रैली का मुख्य उद्देश्य गुरु पंथ का भव्य स्वागत करना था। उसके पश्चात शनिवार और रविवार को गुरु नानक ग्राउंड में विशाल धार्मिक दीवान सजाये गए। इनमें शिरोमणि पंथिक हस्तियां और रागी जत्थे हाजिरी भरेंगे। जिनमें ज्ञानी शेर सिंह जी बुढ़ा दल, भाई हरविंदरपाल सिंह (लिटिल वीरजी), भाई गुरुमीत सिंह शांत, बाबा गदगज सिंह, कविशर सुखबीर सिंह, ज्ञानी जंग सिंह, बीबी दलेर कौर, ज्ञानी बलविंदर सिंह (पांवटा



साहिब), भाई सहजदीप सिंह (दिल्ली), भाई नवजोत सिंह (जगाधरी), बीबी सिमरन कौर, बीबी रवनीत कौर, भाई हर्षदीप सिंह (अंबाला), भाई रविंदर सिंह (अंबाला), भाई बलविंदर सिंह, भाई अवतार सिंह, भाई जनक सिंह, और भाई मनप्रीत सिंह (देहरादून) के नाम प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा रविवार को 12 बजे से गुरु पंथ खालसा की रीत अनुसार खालसाई महल्ला निकाला जाएगा।

महल्ला गुरु नानक पब्लिक ग्राउंड (प्रारंभ) रेस कोर्स चौक, प्रिंस चौक, रेलवे स्टेशन, दर्शनी गेट, कोतवाली, मोती बाजार, मछली बाजार, बिंदाल चौक, तिलक रोड, झंडा बाजार, सहारनपुर चौक, गुरुद्वारा सिंह सभा, प्रिंस चौक,

रेस्ट कैप चौक, त्यागी रोड, गुरु नानक पब्लिक ग्राउंड जाकर समापन किया जायेगा। इस समागम का मुख्य उद्देश्य श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के देहरादून आगमन की उस ऐतिहासिक शोभा और तरीके को पुनः जीवंत करना है। निहंग सिंह फौजों का जाहो-जलाल, घोड़े, निशान-नगारे, शस्त्रविद्या (गतका) और पुरानी खालसाई मर्यादा को संगत के सामने दर्शाना है, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी विरासत से जुड़ सके और समाज में एकता का संदेश जाए। जत्था अकाली बाबा फतेह सिंह और समूह साध-संगत देहरादून ने सभी धर्मों की संगत को इस पावन समागम में परिवार समेत पहुंचकर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

यमुनोत्री धाम यात्रा में दो श्रद्धालुओं की मौत

हमारे संवाददाता देहरादून। यमुनोत्री धाम की यात्रा पर आए दो श्रद्धालुओं की बीते रोज अलग-अलग स्थानों पर तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। एक श्रद्धालु ने जानकीचट्टी के पास दम तोड़ा, जबकि महिला तीर्थयात्री की बड़कोट अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार कर्नाटक निवासी 66 वर्षीय गंगधर बीशेठी यमुनोत्री धाम की यात्रा पर जा रहे थे। यात्रा मार्ग में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए जानकीचट्टी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, महाराष्ट्र निवासी 49



वर्षीय लक्ष्मी बाई, पत्नी नामदेव गतिर, दोबाटा में रुकी हुई थीं। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बड़कोट अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसआई विक्रम सिंह ने बताया कि दोनों मामलों

में पुलिस की ओर से आवश्यक अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को हुई इन दो मौतों के बाद इस ग्रीष्मकालीन यात्रा सीजन में यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग पर जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर 34 हो गई है।

एसबीएस कॉलेज में 'एक कदम स्वच्छता की ओर' स्वच्छता अभियान का आयोजन

संवाददाता रुद्रपुर। सरदार भगतसिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में "एक कदम स्वच्छता की ओर" अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ अवधेश नारायण सिंह जी ने भी महाविद्यालय के प्रांगण को साफ करके छात्र छात्राओं को प्रेरित किया कि हम सभी का यह कर्तव्य होना चाहिए कि पहले स्वच्छता का कार्य हमें स्वयं से करना चाहिए। प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ बसुन्धरा उपाध्याय ने स्वयंसेवियों के साथ मिलकर महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया।



स्वयंसेवियों ने श्रमदान करते हुए परिसर की साफ-सफाई की तथा लोगों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवियों ने "स्वच्छ परिसरस्वस्थ समाज", "स्वच्छता अपनाएँ, स्वस्थ जीवन पाएँ" तथा "स्वच्छ भारत, सुंदर भारत" जैसे संदेशों के माध्यम से स्वच्छता का संकल्प लिया।

महाविद्यालय के प्रो0 सरबजीत, प्रो0विकास दुबे, डॉ0विपिन चंद्र जोशी,

डॉ कमला बोरा, डॉ विकार, डॉ अजय गिरी एवं डॉ अनिल सिंह, मदन रावत, सूरज, चंद्रशेखर पाठक, ने एनएसएस के अजय मिश्रा, संगीता कशिष, मुस्कान, अर्शी,प्रेम कुमार, और महाविद्यालय के अध्यक्ष गौरव कुशवाहा आदि ने विद्यार्थियों के साथ प्रांगण को साफ किया। प्राचार्य ने कहा संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे स्वच्छता प्रयास समाज में बड़े सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

हरियाणा के युवाओं ने मुख्यमंत्री से साझा किए उत्तराखण्ड भ्रमण के अनुभव

संवाददाता
देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखण्ड के तीन दिवसीय भ्रमण पर आए हरियाणा के युवाओं ने अपने भ्रमण के अनुभव साझा किये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखण्ड के तीन दिवसीय भ्रमण पर आए हरियाणा के युवाओं ने भेंट की। युवाओं ने मुख्यमंत्री से अपने भ्रमण के अनुभव साझा करते हुए राज्य में कनेक्टिविटी, पर्यटन, होम-स्टे, सौर ऊर्जा, सीमांत क्षेत्रों के विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। हरियाणा के युवाओं ने कहा कि तीन दिनों के भ्रमण के दौरान उन्हें उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों को करीब से जानने और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से स्थानीय लोगों के जीवन में आ रहे बदलावों को समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि अधिकांश भू-भाग पर्वतीय होने के बावजूद उत्तराखण्ड में सड़क एवं डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। रेलवे नेटवर्क के विस्तार की दिशा में भी तेजी से कार्य हो रहा है। युवाओं ने उत्तराखण्ड के स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर वायु गुणवत्ता की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने



कहा कि राज्य में होम-स्टे के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और सरकार द्वारा इसके लिए दी जा रही सहायता से स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। सीमांत क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास और स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास भी प्रभावी हैं। राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के साथ ही महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, होम-स्टे, सौर ऊर्जा और सीमांत क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि तीन दिनों में उत्तराखण्ड में उन्होंने जो कुछ देखा, समझा और अनुभव किया है, उसे अपने मित्रों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक

पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि आप उत्तराखण्ड के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उत्तराखण्ड की संस्कृति, पर्यटन, तीर्थटन, स्थानीय उत्पादों, होम-स्टे, मिलेट्स, हस्तशिल्प और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग-अलग राज्यों के युवाओं के बीच इस प्रकार का संवाद देश की विविधता को समझने के साथ ही एक-दूसरे से सीखने का माध्यम बनता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे उत्तराखण्ड से जुड़े अपने सकारात्मक अनुभवों को हरियाणा के युवाओं के साथ साझा करें और दोनों राज्यों के बीच संस्कृति, पर्यटन, नवाचार और बेहतर कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने में सहभागी बनें।

खाई में गिरी कार, एक की मौत दो घायल

हमारे संवाददाता
देहरादून। त्यूणी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। चिल्लाड़ के पास एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में तीन लोग सवार थे। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही त्यूणी पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र और गहरी खाई होने के कारण रेस्क्यू टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। एसडीआरएफ के जवानों ने सावधानीपूर्वक खाई में उतरकर वाहन के पास फंसे दोनों घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) त्यूणी भेजा गया। रेस्क्यू टीम ने हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति का शव भी खाई से बाहर निकाला और आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया।



पुलिस के अनुसार, हादसे में मृतक की पहचान 39 वर्षीय दुर्गेश चौधरी, निवासी फतापुर, हापुड़ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। वहीं घायलों की पहचान 27 वर्षीय सुनील मंडल, निवासी महावीर एन्क्लेव, दिल्ली और ऋषभ, निवासी देहरादून के रूप में बताई गई है। थाना प्रभारी त्यूणी कुलदीप शाह के मुताबिक, चिल्लाड़ राजस्व पुलिस क्षेत्र में कार सड़क से करीब 300 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गई थी। दुर्घटना के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार सामने आ रहे सड़क हादसे एक बार फिर चिंता बढ़ा रहे हैं। गहरी खाइयों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यहां दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव अभियान भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

सुपरहिट गढ़वाली फिल्म 'घरजवै' की अभिनेत्री शांति का निधन

हमारे संवाददाता
मुंबई/देहरादून। उत्तराखंड फिल्म जगत से जुड़ी दुखद खबर सामने आई है। सुपरहिट गढ़वाली फिल्म 'घरजवै' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री शांति चतुर्वेदी का मुंबई में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से उत्तराखंडी सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।



जानकारी के अनुसार शांति चतुर्वेदी लंबे समय से बीमार चल रही थीं। बताया जा रहा है कि एक दशक पहले भाई मनोहर चतुर्वेदी के निधन के बाद से वह टूट गई थीं। शांति चतुर्वेदी ने गढ़वाली के साथ ही हरियाणवी, भोजपुरी, राजस्थानी समेत 33 से अधिक फिल्मों में काम किया था। वह 'माला कु श्याम' वीडियो एल्बम में भी नजर आई थीं। वर्ष 1986 में रिलीज और तब की 35 लाख की लागत से बनी घरजवै फिल्म उस दौर की सबसे महंगी और सबसे सफल फिल्म थी, जो दिल्ली के संगम सिनेमा हॉल में लगातार 29 हफ्तों तक चली थी। फिल्म में शांति चतुर्वेदी ने मुख्य नायिका की भूमिका निभाई थी, जिसमें उनके किरदार का नाम 'माला' था। उनके निधन पर लोक गायक नरेंद्र सिंह नेगी, रंग गर्मी बलदेव राणा सहित तमाम लोक कलाकारों ने शोक जताया है।

समझौते के बहाने घर बुलाया फिर मारी गोली!

हमारे संवाददाता
हरिद्वार। पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। देर रात हुए विवाद के दौरान गोली लगने से युवक की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, प्रताप कॉलोनी निवासी लकी उर्फ रोहित और राहुल शर्मा, पुत्र अनिल शर्मा, का भगवानपुर कस्बे के आदित्य उर्फ आदि, पुत्र रविंद्र राणा और उसके दोस्तों के साथ कुछ समय से पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि 1 अक्टूबर की देर रात दोनों पक्षों के युवक आमने-सामने आ गए। कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया और मारपीट हो गई।

पुलिस के अनुसार इस दौरान लकी उर्फ रोहित और आदित्य पक्ष के बीच मारपीट हुई। विवाद के बाद लकी ने अपने भाई राहुल और पिता अनिल शर्मा को घटना की जानकारी दी। इसके बाद आरोप है कि आदित्य को बातचीत कर मामला सुलझाने के बहाने घर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार, घर पहुंचने के बाद आदित्य को गोली मार दी गई। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। आरोप है कि आदित्य के साथ मौजूद उसके एक अन्य साथी पर भी गोली चलाई गई, लेकिन वह किसी तरह मौके से भाग निकला। इसके बाद उसने आदित्य के परिजनों को घटना की जानकारी दी। गोली चलने की

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल आदित्य को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद मौत की परिस्थितियों से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। भगवानपुर सीओ सुमित पांडे के अनुसार, देर रात दो पक्षों के युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान गोली लगने से आदित्य राणा की मौत हो गई। मृतक के परिजन की तहरीर के आधार पर पुलिस ने लकी उर्फ रोहित, राहुल शर्मा और अनिल शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस नामजद आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

फ्लाईडुबई की घटना 'आतंकवादी हमला'!

संवाददाता
नई दिल्ली। फ्लाईडुबई की घटना के बारे में शनिवार को मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों (जिनमें खाड़ी देश और पश्चिमी देशों के राजनयिक शामिल हैं) ने बताया कि इजराइल जाने वाली फ्लाईडुबई फ्लाइट के कैप्टन पर हमला करने के आरोपी को-पायलट का नाम हमम अल-हम्मामी है और वह ओमान का नागरिक है। यात्रियों और अन्य लोगों ने उसे काबू में किया था। जांच की अगुवाई कर रहे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा कि को-पायलट ने कॉकपिट में रखी श्रैश एक्सस (आपातकालीन कुल्हाड़ी) से हमला किया और यह एक आतंकवादी हमले

के तहत विमान पर कब्जा करने की कोशिश थी। को-पायलट की पहचान बताने वाले लोगों ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की इजाजत नहीं थी। खाड़ी देश के राजनयिक ने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है कि क्या उसने अकेले यह कदम उठाया (फ्लोन वुल्फ के तौर पर) या उसका किसी चरमपंथी समूह से कोई संबंध है। यूएई के प्रॉसिक््यूटर जनरल हमद सैफ अल शम्सी ने कहा कि को-पायलट ने कॉकपिट के अंदर पायलट पर क्रैश एक्स से हमला किया और विमान पर



कब्जा करने की कोशिश की। क्रैश एक्स आमतौर पर कॉकपिट में आपातकालीन स्थितियों, जैसे कि क्रैश, में इस्तेमाल के लिए रखा जाता है। उन्होंने कहा (कुल्हाड़ी) कि घटना के हालात, मकसद और किसी भी संबंधित कनेक्शन का पता लगाने के साथ-साथ फिजिकल और डिजिटल सबूतों की जांच के लिए जांच चल रही है। यूएई के प्रॉसिक््यूटर

जनरल हमद सैफ अल शम्सी की टिप्पणी अमीराती अधिकारियों की ओर से पहली ऐसी टिप्पणी थी जिसमें घटना को 'आतंकवादी' हमले की कोशिश बताया गया। प्रॉसिक््यूटर जनरल ने कहा कि को-पायलट ने कॉकपिट के अंदर पायलट पर क्रैश एक्स से हमला किया और विमान पर कब्जा करने की कोशिश की। क्रैश एक्स आमतौर पर कॉकपिट में आपातकालीन स्थितियों, जैसे कि क्रैश, में इस्तेमाल के लिए रखा जाता है। उन्होंने कहा कि घटना के हालात, मकसद और किसी भी संबंधित कनेक्शन का पता लगाने के साथ-साथ फिजिकल और डिजिटल सबूतों की जांच के लिए जांच चल रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटेर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्रियों के लिए प्रिंटेर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।